

Ueberschuss, Vielheit KĀTJ. ÇR. 1, 3, 9. 15. 5, 11, 24. 15, 4, 19. ÂÇV. GRHJ. 4, 7, 3. KAN. 8, 2, 5. SUÇR. 1, 4, 4. स्वाडु° 183, 5. केश° Menge H. 568. सूर्यसंयोग° (Gegens. अल्पत्व) BHĀSHĀP. 121.

भूयस्विन् (wie eben) adj. zahlreicher oder überlegener (Gegens. कनीयस्विन्) PAÑKĀV. BR. 12, 13, 30.

भूरिष्ठ (von 1. भू) adj. superl. zu भूरि, meist, zahlreichst; hauptsächlichst, bedeutendst AK. 3, 2, 13. H. 1426. घ्रापो भूरिष्ठ इत्येको अत्रवीदग्भिर्भूरिष्ठ इत्यन्यो अत्रवीत् RV. 1, 161, 9. 189, 1. इन्द्रस्य वाक्त्रिभूरिष्ठमोजः 8, 83, 3. AIT. BR. 7, 18. मरुतो देवानो भूरिष्ठाः PAÑKĀV. BR. 14, 12, 9. ÇAT. BR. 1, 9, 3, 9. 2, 1, 2, 2. 4, 3, 3, 10. 6, 6, 6. यज्ञविद्या भूरिष्ठान्कामान्डुडके 2, 14. 7, 3, 2, 15. KĀTJ. ÇU. 4, 14, 8. भूरिष्ठमन्नं जायते überaus reichlich KĪND. UP. 6, 2, 4. तान् — गमयिष्यामि भूरिष्ठानहं वैवस्वततयम् MBH. 2, 2557. ज्ञानो ऽयं नागरः सर्वो भूरिष्ठो भूमागतः R. GORR. 2, 117, 21. 3, 64, 20. 5, 2, 4. घञ° KĀM. NITIS. 13, 79. Spr. 4188. निकटे ganz in der Nähe KATHĀS. 23, 94. Am Ende eines comp. gleichbedeutend mit प्राय (s. प्राय 3): यद्वाष्ट्रे प्रूढभूरिष्ठम् zum grössten Theil aus Çūdra bestehend M. 8, 22. ब्राह्मण° (वानप्रस्थगण) R. 3, 10, 16. अभिज्ञभूरिष्ठा परिपद्यम् ÇĀK. 3, 11. सदृशभूरिष्ठास्तुङ्गा रुचिपाराशयः RAGH. 4, 70. आशानिर्वेद° voll von, erfüllt von, im hohen Grade begleitet von KĀM. NITIS. 13, 68. घट्टकार्दप° SĀH. D. 67. कण्डूनिस्तोद° SUÇR. 2, 309, 9. दुर्वत्तभूरिष्ठाः zum grössten Theil schlecht geartet MBH. 1, 237. R. 2, 65, 7. प्रधानभूरिष्ठतैः (सुतिस्ते) MBH. 8, 4229. Insbes. häufig mit einem partic. praet. pass. verbunden: अल्पावशिष्टं कालस्य गतभूरिष्ठमस्ततः zum grössten Theil —, beinahe ganz vergangen MBH. 4, 885. भ्रातृभूमभूरिष्ठैः (हुमैः) 1, 5891. प्रशात° 3, 10087. जीण° 13, 698. कृतभूरिष्ठरत्नस्य (कलत्रस्य) 16, 243. दग्ध° HARIV. 98. निकृत्° R. 3, 31, 29. प्राप्त° (पार) 5, 8, 22. क्लिन्न° VIKR. 8. निर्वाण° KUMĀRAS. 3, 52. उदित° MĀLATIM. 2, 2. वशीकृत° PRAB. 19, 10. विपन्नभूरिष्ठतरा सेना MBH. 7, 30. कृतप्रचोरभूरिष्ठा (चमू) 14, 1792. गतपूर्वाह्णभूरिष्ठे तस्मिन्नह्नि dessen Vormittag beinahe ganz verflossen war 6, 1808. 2510. भूरिष्ठम् adv. am meisten, zumeist, hauptsächlich: यो भूरिष्ठं नास्त्यभ्यो विवेकं RV. 5, 77, 4. ÇAT. BR. 1, 4, 2, 6. भूरिष्ठमस्य कुले महीयते 14, 8, 1, 3. 3, 2, 7. यस्येक भूरिष्ठमन्नं भवति स एव भूरिष्ठं लोके विराजति AIT. BR. 1, 5. एषु स्थानेषु भूरिष्ठं विवादं चरतां नृणाम् M. 8, 8. SUND. 3, 30. MBH. 6, 4014. R. 2, 72, 12. VARĀH. BRH. S. 11, 35. ÇĀK. 30. 93. 26, 16, v. l. कृतप्रचोरा रिपवो भूरिष्ठं विद्रुता दिशः zum grössten Theil DRAUP. 8, 40. भूरिष्ठं विजिता दोषा निकृताः सर्वशत्रवः MBH. 14, 879. in grosser Menge R. 6, 89, 16. आभाति भूरिष्ठमयं समुद्रः प्रमथ्यमानो गिरिषेव भूयः im höchsten Grade, gar sehr, beinahe ganz RAGH. 13, 14, 6, 4. भूरिष्ठेन instr. adv. zumeist MBH. 5, 3507. भूरिष्ठम् enklitisch nach einem verbum finitum gaṇa गोत्रादि zu P. 8, 1, 27. 57. भूरिष्ठ wird P. 6, 4, 158. fg. und Vop. 7, 62 wie भूयस् und भूमन् auf बङ्ग zurückgeführt.

भूरिष्ठभाज् (भू° + भाज्) adj. am meisten theilhaft, — geniessend, — empfangend: इन्द्रो देवानो भूरिष्ठभाक्तमः TS. 5, 4, 8, 3. TBR. 3, 7, 11, 5. ÇAT. BR. 1, 6, 2, 18. वायुर्वै नो ऽस्य यज्ञस्य भूरिष्ठभाक् 4, 1, 2, 11.

भूरिष्ठशम् (von भूरिष्ठ) adv. in sehr grosser Anzahl: ततो भूरिष्ठशः पौरा गुरुभारप्रयोजिताः । विप्राश्च यतयो मुष्या जग्मुर्नागपुं प्रति ॥ MBH. 3, 8455. 12, 10655. 16, 103.

भूयुक्ता (2. भू + यु°) f. eine Palmenart, = भूमिखर्जूरी RĀGĀN. im ÇKDR. भूयाविद्य (भूयस् + विद्या) adj. mehr wissend, gelehrter NIR. 1, 16. 13, 12.

भूर urspr. = भूम्, nom. von 2. भू Erde, mit Erweichung des Nominalzeichens, gilt als eine der drei व्यावृत्ति (s. d.) für ein indecl. und wird in der That auch so gebraucht, gaṇa स्वरादि zu P. 1, 1, 37. भूर्भुवः स्वस्त्रिभुवनम् TRIK. 3, 4, 1. ब्रह्माण्डमेतत्सुषिरं तत्रेदं भूर्भुवादिकम् SŪRJAS. 12, 29. भूर्भुवादिकं त्रैलोक्यम् MĀRK. P. 18, 26. BHĀG. P. 8, 24, 32. भूर ist die erste der sieben nach oben sich erhebenden Welten VEDĀNTAS. (Allah.) No. 70. भूरदयस्तथा लोकाः MĀRK. P. 61, 2. = रसातल Hölle H. 1323. als geistiger Sohn Brahman's gefasst HARIV. 11300. — Vgl. भूर्लोक.

भूरति (2. भू + र°) m. Bez. eines best. über Waffen gesprochenen Zauberspruchs, personif. ein Sohn des Kṛçāçva, R. GORR. 1, 31, 8.

भूरि (von 1. भू) UNĀDIS. 4, 65. 1) adj. reichlich, massenhaft, bedeutend; viel, häufig, zahlreich; adv. reichlich, oft, viel AK. 3, 2, 13. H. 1426. an. 2, 445. MED. r. 74. fg. HALĀJ. 4, 16. भूरिं चिदत्रा समिदति सद्यः RV. 7, 4, 2. 6. 60, 5. सुवित 100, 2. भुवन 2, 33, 9. भूरिंदातारम् 12. डुरित 3, 39, 8. राशि 4, 20, 8. 1, 61, 15. वसव्य 6, 60, 1. वाम 71, 4. 6. 8, 43, 34. भूरीदिन्द्रस्य वीर्यम् VĀLAKH. 7, 1. RV. 8, 59, 14. यो दग्धेर्भिर्यो यश्च भूरिभिः 10, 38, 4. AV. 18, 4, 54. भूरिं पश्चः RV. 3, 34, 15. 6, 1, 12 u. s. w. धासेः 3, 37, 1. भूरिंदा भूरिं देहि नः 4, 32, 20. रत्नान्यादाय भूरीणि MBH. 2, 967. हिरण्येन च भूरिणा 12, 1410. श्रेष्ठैर्न्यानि 12, 2465. न स्वाल्पस्य कृते भूरि नाशयेन्मतिमान्नरः । एतदेव हि पाणिडत्यं यत्स्वल्पाद्भूरिरत्नणम् ॥ Spr. 1303. कञ्जल KATHĀS. 4, 47. धन 13, 92. भस्मरेणु VID. 180. फल Spr. 3363. भोगाः PAÑKĀR. 3, 11, 11. वारिः RĀGĀ-TAR. 3, 20. ग्रामाः AK. 2, 8, 1, 7. H. 726. तोयमतिभूरि VARĀH. BRH. S. 21, 37. °विषयाः Spr. 633. °कालम् KATHĀS. 17, 143. °अयम् PAÑKĀR. 2, 3, 34. °वेतस adj. H. 934. °पादात् adj. KATHĀS. 38, 5. °विक्रम adj. R. 1, 24, 21. °वियोग adj. Spr. 1770. °निधन adj. 3033. ungeheuer, gewaltig RV. 2, 28, 1. 1, 184, 3. — भूरिं मनोपी कृते वामित् 7, 22, 6. 1, 134, 6. भूरि कृतः oftmals 3, 18, 4. इह वा भूर्या चरेदुप त्मन् 4, 4, 9. भूरि वष्टुहं राजति 6, 47, 19. 8, 19, 20. भूरि पोषं स धति reichlich 23, 21. 51, 10. इमं त्रितो भूर्विन्ददिच्छन् 10, 46, 3. AV. 5, 22, 6. कर्णाभ्यां भूरि शुश्रुवे PĀR. GRHJ. 3, 15. TAHT. UP. 1, 4, 1. ततो वङ्गतरं भूरि विलप्य MBH. 14, 2341. आपूरि भूरि reichlich Spr. 2642. °विलम्बितो घनाः stark 2029. °विदारितानन (हरविदारितानन v. l.) RT. 1, 14. — 2) m. a) Bein. Brahman's und Vishṇu's MED. Çiva's MED. Verz. d. Oxf. H. 191, a, 6. Indra's ÇANDAR. im ÇKDR. Die Bed. Tag bei WILSON nach ders. Aut. beruht auf einer Verwechslung von वासव mit वासर. — b) N. pr. eines Mannes gaṇa शिवादि zu P. 4, 1, 112. eines Sohnes des Somadatta, Königs der Bāhika, MBH. 1, 6995. 7, 7397. HARIV. 1821. VP. 439. BHĀG. P. 9, 22, 18. Vgl. भौर. — 3) n. Gold AK. 3, 4, 25, 184. H. 1043. H. an. MED. HALĀJ. 2, 18. Vgl. भौरिक.

भूरिक (von भूरि) m. N. pr. eines Mannes SCHIEFNER, Lebensb. 294 (64).

भूरिकर्मन् (भू° + क°) adj. viel wirkend RV. 1, 103, 6. sehr thätig TBR. 3, 7, 13. der viele Opfer dargebracht hat (BURNOUR) BHĀG. P. 4, 19, 40.

भूरिगन्धा (भू° + गन्ध) f. ein best. Parfum (पुर्) RĀGĀN. im ÇKDR.

भूरिगम (भू° + गम) m. Esel (der Vielgehende) RĀGĀN. im ÇKDR.